United Nation (सयुक्त राष्ट्र)

सयुक्त राष्ट्र के प्रमुख अंग (Organ of United Nation)

1. सचिवालय (Secretariat)

2. प्रन्यास परिषद् (Trusteeship Council)

3. आर्थिक व सामाजिक परिषद् (Economic And Social Council) (ECOSOC)

4. सुरक्षा परिषद् (Security Council) (UNSC)

5. अन्तराष्ट्रीय न्यायालय (International Court Of Justice) (ICJ)

6. महासभा (General Assembly) (UNGA)

1. सयुक्त राष्ट्र आम सभा (General Assembly)

आम सभा सयुक्त राष्ट्र का एक महत्वपूर्ण अंग है | इसे विश्व संसद भी कहा जाता है | सभी सदस्यों का प्रतिनिधित्व आम सभा में होता है |सामान्यत: सभी सदस्य देशो से पाच प्रतिनिधि आम सभा में आत है लेकिन हर सदस्य देशो को एक मत का अधिकार है | हर एक साल में आम सभा का एक सत्र आयोजित किया जा है | इसे सितम्बर से दिसम्बर के बीच आयोजित किया जाता है | यह सत्र एक से अधिक बार भी आयोजन किया जा सकता है | इसका आयोजन सभी सदस्य देश मिलकर करते है | तमाम उप्लाब्दियो के बावजूद आम सभा संगठित नहीं है | इसमें संगठन की कमी है | इसका क्रियान्वयन सदस्य देशो के क्रिया या प्रतिक्रिया पर निर्भर करता है |

आम सभा के प्रमुख कार्य निम्नलिखित है –

1. सुरक्षा परिषद के दस आस्थाई सदस्यों को चुनना |

2. आर्थिक एवं सामाजिक परिषद् के सदस्यों को चुनना |

3. सुरक्षा परिषद् के सलाह से सयुक्त राष्ट्र महासचिव का चुनाव |

4. सुरक्षा परिषद् की सलाह पर सयुक्त राष्ट्र से नए सदस्यों को जोड़ना |

5. अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के 15 न्यायाधीशो का चुनाव |

6. अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर बहस करना |

7. सयुक्त राष्ट्र के अन्य अंग अपनी वार्षिक रिपोर्ट आम सभा को सौपते है |

8. सयुक्त राष्ट्र का बजट तैयार करना |

WWW.MISSION-ACADEMY.COM

2. सयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् (Security Council)

सुरक्षा परिषद् सयुक्त राष्ट्र का एक स्थायी अंग है | कार्यकारी प्रमुख की भूमिका भी सुरक्षा परिषद् ही निभाता है | सुरक्षा परिषद् के सदस्यों की संखिया 15 है | जिसमे से 5 स्थाई सदस्य और 10 अस्थाई सदस्य है | अस्थाई सदस्य 2 वर्षो के लिए चुने जाते है | फ्रांस, रूस, अमेरिका, चीन, ब्रिटेन इसके 5 स्थाई सदस्य है |

- सोवियत संघ के स्थान पर रूस 1992 में सुरक्षा परिषद् का स्थाई सदस्य बना |
- चीन 1971 में सुरक्षा परिषद् का स्थाई सदस्य बना |
- सयुक्त राष्ट्र सविधान के अनुछेद 27 के अनुसार पाच स्थाई सदस्यों को वीटो पॉवर प्राप्त है |
- कोई भी अस्थाई सदस्य लगातार 2 कार्यकाल के लिये सुरक्षा परिषद् का सदस्य नहीं बन सकता |
- किसी भी मुददे पर निर्णय लेने के लिए 15 में से 9 सदस्यों की मत की जरुरत होती है | कई मामलो में स्थाई सदस्यों को वीटो पवार का अधिकार होता है |
- अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के 15 न्यायाधीशो के चुनावों में सुरक्षा परिषद् की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है |

सुरक्षा परिषद् के मुख्यतः तीन उद्देश्य है

1. अंतर्राष्ट्रीय शांति को बनाये रखना |
2. निशस्त्रीकरण को बढ़ावा देना
3. हथियारों के उत्पादन को सीमित करना |

सयुक्त राष्ट्र ने कई अंतर्राष्ट्रीय घटनाओ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है -

क्यूबा संकट, शीतयुद्ध, खाड़ी युद्ध, सोवियत संघ का विघटन, 1965 का भारत पकिस्तान युद्ध इत्यादि में सुरक्षा परिषद् ने एक मध्यस्त के तौर पर अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई है |

3. आर्थिक व सामाजिक परिषद् (Economic And Social Council) (ECOSOC)

सुरक्षा परिषद् का मुख्य कार्य अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बनाये रखना है परन्तु जबतक किसी देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिति ठीक व मजबूत न हो तब तक किसी भी राज्य व देश में अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा शांति मजबूत नहीं होगी | सयुक्त राष्ट्र का मुख्य उदेश्य किसी भी राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास में मदत करना है | सयुक्त राष्ट्र किसी देश के सांस्कृतिक विकास, महिला सुरक्षा, महिला शशक्तिकरण, रोजगार उत्पादन व अल्पसंख्यक समुदाए के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है |

सयुक्त राष्ट्र के इन उद्देश्यों को पूरा करने की जिम्मेदारी आर्थिक एवम सामाजिक परिषद् की है | इसमें कुल 54 सदस्य है | इनके सदस्यों का चुनाव महासभा करती है | इसके एक तिहाई सदस्य हर साल बदलते रहते है | हर एक सदस्य के पास एक वोट होता है | इसके अध्यक्ष का चुनाव सदस्य देश आपस में मिलकर करते है |

रामा स्वामी मुदालियर इसके प्रथम आध्यक्ष थे | इसका जिक्र सयुक्त राष्ट्र के अनुछेद 55 में किया गया है | जब सामाजिक और आर्थिक परिषद् का निर्माण हुआ उस समय कई और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाए मानवीय और सामाजिक मुद्दों पर कार्य कर रही थी | सयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद् ने ऐसे अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के समन्वय का कार्य किया |

आर्थिक एवम सामाजिक परिषद् के तत्वाधान में कई महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संसथान कार्य करते है | इनमे निम्नलिखित महत्वपूर्ण है –

1. अंतर्राष्ट्रीय मजदूर संगठन (1914) (जेनेवा)

2. विश्वबैंक (1944) (वाशिंगटन)

3. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (1944) (वाशिंगटन)

4. खाद्य एवम कृषि संगठन (1945) (रोम)

5. UNESCO

6. विश्व स्वाथ्य संघठन W.H.O (1946) (जेनेवा)

7. विश्व खगोलविद संगठन W.M.O (1950) (जेनेवा)

8. UNICEF

WWW.MISSION-ACADEMY.COM